कॉलैक्ट

हे सर्व शक्तिमान परमेश्वर, आपने अपने एकलौते पुत्र प्रभु येशु को इस संसार में भेजा कि वह हमारा स्वाभाव धारण करें और पवित्र कुआंरी से जन्म लें. वर दीजिए की हम, जिन्होंने उसकी कृपा से नया जन्म पाया और आपकी संतान बनाए गये, आपके पवित्र आत्मा से दिन -प्रतिदिन आपके पुत्र की समानता में नये बनते जायें। उन्हीं के द्वारा, जो आपके और पवित्र आत्मा के साथ एक परमेश्वर है, और अब तथा सदा-सर्वदा जीवित और राज्य करते हैं| **आमीन**

Please pray for our church family members who are in need of your prayer support:

Ms. Sanjivani Agarwal, Master Isaiah, Mr. Eugene Samuel, Mrs Sujaya Kingston, Mrs Shirley Thomas, Rev. GH Grose, Mrs. Hilda Immanuel, Ms. Shiela Choudhary, Mr. Dalip Kumar Ghosh, Mrs. E. S. Ruskin, Mr. Neelu Joseph, Ms. Mellisa Dass, Mrs. Ruth Peace, Mrs. Virginia Sen and Mr. Suresh Kukde.

BIRTHDAYS & ANNIVERSARIES	
26th Dec	Nikhil James, Mr. & Mrs. Pradeep Kumar John
27th Dec	Binny Chandra, Mr. & Mrs. Deepak Alexander, Mr. & Mrs. Anil Dinesh Valaparla
28th Dec	Natasha Gerald Titus, Shunila Kumar, Mr. & Mrs. SK Dass, Mr. & Mrs. Suresh Kumar James, Mr. & Mrs. Sanjay Kerketta

Notices

- **Christmas Day Service timings:** Hindi—8:30 am; English—10:30 am
- Volunteers needed in one-hour slots for welcoming people of other faiths on Christmas day from 1 pm to 10 pm.
- Presbyter-in-Charge will be away from 27th to 29th December 2019. In case of any pastoral emergencies kindly contact Rev. Vishal Paul.
- **Youth Sunday**—Combined Service will be held on 29th December 2019 at 9:30 am.
- **New Year's Day** service will be held at 8:30 a.m. for Hindi and 10:30 a.m. for English.
- **Combined Covenant Service** with Lord's Supper followed by fellowship lunch will be held on 5th January 2020 at 9:30 am.
- Collection from last Sunday Services was **Rs. 45,746/-**

GREEN PARK FREE CHURCH

CNI, Diocese of Delhi,
A-24 Green Park, New Delhi-110016

प्रभु येशु का जन्म दिवस
25 दिसम्बर 2019
उद्धारकर्ता का जन्म : वह वचन (शब्द) है, जो देहधारी हुआ।

Presbyter-in-Charge	Associate Presbyter	Hon Secretary	Hon Treasurer
Rev Dr Paul Swarup	Rev. Vishal R. Paul	Mr. Dennis Singh	Mrs. Kiran Mohan
9811397771	9313912594, 8700784065	9811269792, 8700319032	9811477154

Regular Sunday Service

Hindi: 8:30 a.m., English: 10:030 a.m. , Evening Worship: 5:30 p.m.

Church Office: 011– 26523393, 26561703. 42637508

gpfc.delhi@gmail.com, officegpfc@gmail.com

Pastor Writes

सबसे पहले, मैं आप सभी को क्रिसमस की और नए साल की शुभकामनाएं देता हूं। हम ऐसे समय से गुज़र रहे हैं जहां दुनिया भर में अशांति है। दुनिया भर में, अमेरिकी राष्ट्रपति को अभियोजित किया गया है; ब्रिटेन ने चुनाव और ब्रेक्सित का सामना करा; फ्रांस अपनी पेंशन नीति के कारण बहुत अधिक हिंसा से गुजर रहा है; हांगकांग में लंबे समय से विरोध रहा है; क्लस्टर बमों द्वारा सीरिया पर बमबारी जारी है; अफगानिस्तान में आतंकवादी हमले जारी हैं; इजरायल और फिलिस्तीन ने लड़ाई जारी रखी। हमारे अपने देश में, कश्मीर सामान्य स्थिति में नहीं लौटा है और कई राज्य नागरिकता संशोधन अधिनियम और नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर की प्रतिक्रिया में हिंसक विरोध प्रदर्शन जरी हैं। लगतार हिंसा और बलात्कार अपने बदसूरत सिर को बार बार उठा रहा हैं। हमारी अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही है। इन सभी परिस्थितियों में दो हजार साल पहले जन्मे बच्चे के जन्म से कैसे फर्क पड़ सकता है?

यूहन्ना का सुसमाचार हमें इस बात का उत्तर देता है कि यीशु का जन्म हमें किस प्रकार इन परिस्थितियों में आशा प्रदान करता है। यूहन्ना हमें याद दिलाता है "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। यही आदि में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उस में से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई।" यूहन्ना हमें याद दिलाता है कि यीशु शुरू से ही पिता और पवित्र आत्मा के साथ थे और सृष्टि के कार्य में भाग लिया था। न केवल वह सृजन के कार्य में भाग लेता है, बल्कि वह वो है जो इसे बनाए रखता है। क्योंकि यीशु निर्माता है, हर कोई उसके प्रति जवाबदेह है, हम सभी को अंतिम दिन उसे हिसाब देना होगा।

यीशु परमेश्वर का जीवित वचन है, जीवन और ज्योति लाता है। वह वो है जो मनुष्य को अपनी दुनिया में प्रचुर मात्रा में जीवन प्रदान करता है, और आने वाले समय में अनंत जीवन है। मानव शारीर में यीशु का आना हमें नया जीवन प्रदान करता है ताकि हम अपने पापी जीवन को पीछे छोड़ सकें और इस नए जीवन का जश्न मना सकें जो वह हमें प्रदान करता है।

यीशु जगत की ज्योति भी हैं। ज्योति अन्धकार में चमकती है; और अन्धकार ने उसे ग्रहण न किया/ न समझा। दूसरे शब्दों में, हमने यह नहीं समझा है कि यीशु के ज्योति का क्या अर्थ है। यीशु ने हम में से हर एक को अंधेरे से ज्योति में जाने के लिए कहा। हम अपने काले कामों को सभी से छिपा सकते हैं लेकिन हम इसे ज्योति से नहीं छिपा सकते। परमेश्वर हमें हमारे पापपूर्ण तरीकों से पश्चाताप करने और ज्योति में चलने के लिए कहते हैं।

जब यीशु ज्योति और जीवन के रूप में इस दुनिया में आए तो दो तरह की प्रतिक्रियाएं थीं। एक अस्वीकृति का था। वह अपने घर आया और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया। यहूदी लोग जिनके बीच में वह एक यहूदी के रूप में पैदा हुआ था, उन्होने उसे ग्रहण नहीं किया। उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया और अंततः उसे सूली पर चढ़ा दिया। ज्योति उनके बीच में थी और उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया।

एक अन्य प्रकार की प्रतिक्रिया भी थी। ये वे थे जिन्होंने उन्हें प्राप्त किया और उनके नाम पर विश्वास किया। जो लोग उसके नाम पर विश्वास करते थे, उन्होंने उन्हें परमेश्वर की ज्योति की संतान होने का आधिकार दिया। चुनाव आज सुबह हमारे सामने है या तो हम उसे स्वीकार करते हैं या अस्वीकार करते हैं। क्रिसमस एक शानदार अवसर है कि हम मसीह को वास्तव में हमारे जीवन में जन्म दें।

यूहन्ना ने इस खंड का समापन यह बताते हुए किया, "और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हम ने उस की ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा।" वचन देहधारी बनने के क्या निहितार्थ हैं? यह हमारी मानवता की पुष्टि करता है। हम परमेश्वर की छवि में बने हैं और इसलिए हमारे साथ जो कुछ भी होता है वह परमेश्वर के लिए मायने रखता है। दूसरे, परमेश्वर यीशु के माध्यम से एक इंसान बन गए। वह हमारे सभी कष्टों, दर्द और परेशानी की पहचान कर सकता है। वह हमारे सभी कष्टों, दर्द और परेशानी की पहचान कर सकता है। यीशु खुद इस रास्ते से गुजरे थे और इसलिए वो हमारी हर परिस्थितियों समझते हैं।

हम इस क्रिसमस को उस जीवन का जश्न मना सकें जो यीशु देने आया था। परमेश्वर हमें अंधेरे से ज्योति में जाने में मदद करें। हमें हिम्मत रखनी चाहिए कि परमेश्वर हमारे साथ है और वह हमारी सभी कठिन परिस्थितियों में हमारे साथ गुजरता है। एक बार फिर से आप सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएँ।

शलोम

पॉल स्वरूप

प्रभु भोज — प्रार्थना क्रम

प्रार्थना की बुलाहट

"मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूं जो सब लोगों के लिये होगा। कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।" (लूका 2:10-11)

धर्मसेवक	विशाल पॉल	
अगुवा	पॉल स्वरुप	
प्रारंभिक गीत	न. म. गी. कि. 257	ऐ सब ईमानदारों
तैयारी	क्रम संख्या 3 से 5	विशाल पॉल
प्रथम पाठ	यशायाह 9:2-3, 6-7	ई. सी. डेनियल
दूसरा पाठ	इबरानी 1:1-12	अश्वनी एबल
गीत	न. म. गी. कि. 258	सुन, आसमानी फ़ौज शरीफ रब्ब
सुसमाचार	योहन्ना 1:1-14	विशाल पॉल
उपदेश		पॉल स्वरुप
निकाया का अक़ीदा	क्रम संख्या 14	सब
सूचनाएँ		पॉल स्वरुप
सिफ़ारशी दुआएँ	क्रम संख्या 16	डेनिस सिंह
गुनाहों का इक़रार	क्रम संख्या 17– 19	विशाल पॉल
क्षमादान और शांति अभिवादन	क्रम संख्या 20 और 22	पॉल स्वरुप
हदिये का गीत और प्रार्थना	न. म. गी. कि.	ओहो मसीही आया ज़मीन पर
प्रभु भोज	क्रम संख्या 26-40	विशाल पॉल
प्रभु भोज के गीत	न. म. गी. कि. 9 न. म. गी. कि. 12	आया मसीही चरनी में तू आया है यीशु आया है
आशीष वचन	क्रम संख्या 45	पॉल स्वरुप
अन्तिम गीत	न. म. गी. कि.	गड़रियों ने देखा उजियाला आधी रात मे